समदोष समाग्नि, समधातु मलः क्रिया।
प्रसन्नात्मेन्द्रिय मनः,स्वस्थ इत्यभिधीयते।।

जिसके सभी दोष (वात, पित्त, कफ) समान हों। जिनकी सभी अग्नियां (13 प्रकार एक जठराग्नि, पांच भूताग्नियां, सात धात्वाग्नियां) समान हों। जिसकी सभी धातुयें (सात धातुयें, रस, रक्त, मांस, मेद, अस्थि, मज्जा, शुक्र) समान हों तथा जिसकी आत्मा व मन प्रसन्न हो वही स्वस्थ है।

Chronic Liver Disease

यकृत रोग

आज की भागदौड़ भरी जीवन शैली, अनियमित दिनचर्या, दूषित आहर–विहार, एल्कोहल, चाय, मैदा, समोसा, असमय भोजन करने के कारण हमारे शरीर में वात व पित्त दोष की अधिकता होजाती है। बढ़ा हुआ वात–पित्त रक्त में पहुंचकर यकृत की कोषिकाओं में संचित होकर यकृत शोथ (Hepatitis) उत्पन्न कर देता है। तत्पश्चात यकृतीय कोशिकाओं में काठिन्य (Cirrhosis of lever) उत्पन्न कर देता है।

CAUSES

हेत्वः / निदानानि

fatty liver results largely from ;

1- Excessive intake of fat (अति स्निग्ध आहार)

2- Excessive intake of alcohol (मदात्ययः)

3- Metabolic disorders (धात्वग्निमांद्य– जन्य रोगाः)

- Metabolic syndrome (धात्वग्निमांद्यः रोगसमूहः)
- Fatty liver of pregnancy(गर्भावस्था जन्य)

4- Diseases (रोगाः)

- Inflammatory bowel disease (गृहणी)
- Obesity (स्थौल्यः)
- HIV (विषाणुज ओजः नाशः)
- Hepatitis C (विषाणु सी. जन्यः यकृतशोथः)

MANIFESTATIONS

अभिव्यक्ति

fatty liver may present as below :

1-asymptomatic in a majority of the patients

(अलक्षणः / अरूपः / अव्यक्तः)

2-Pain/tenderness in the right upper qdrant of the abdomen (यकृत–शुलः / स्पर्श–असह्यता)

3-Symptoms of hepatitis (यकृत–शोथ–जन्यानि लक्षणानि)

4-Symptoms of cirrhosis of the liver (यकृत–काठिन्य–जन्यानि लक्षणानि)

सम्प्राप्तिः

स्निग्ध – आहारः अतिसेवनम्

अति– मद्यपानम्

मेदो–धात्वग्निमांद्यः

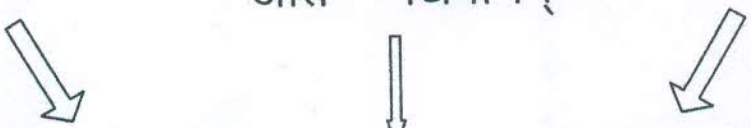

आम–मेदो–उत्पत्ति / संचयः

यकृदे–आम–मेदो–संचयः

यकृत्शोथः

यकृत्–काठिन्यः

MANAGEMENT

चिकित्सा / उपचारः

fatty liver could be managed as below :

1- Hepato-corrective drugs (यकृत्–विकृति–निवारक औषधयः)

2- Hepato-protective drugs (यकृत्–बल्य औषधयः)

3- Metabolic stimulants (समानवात / धत्वग्नि–बल्य औषधयः

4- Antioxidants (रसायन औषधयः)

5- Hepato-healthy Lifestyle (यकृत्–कल्य आहार–विहारः)

6- Management/removal of the underlying cause. If possible (यथासम्भव निदान–उपचारः / परिवर्जनम्)

7- Manage the complications, If possible (यथासम्भव उपद्रव–उपचारः)

Management/removal of the underlying cause.

(यथासम्भव निदान–उपचारः / परिवर्जनम्)

- Avoid alcohol (मद्यपान परिवर्जनम्)
- Avoid high fat diet (अतिस्निग्ध– गुरुआहारस्य परिवर्जनम्)
- Avoid high calories diet (अतिमधुर रसस्य आहारस्य परिवर्जनम्)
- Avoid too much of nuts (शुष्क फलानां परिवर्जनम्)
- Fresh cereals(नव अन्नस्य परिवर्जनम्)
- Avoid sedentary lifestyle(अचेष्टा परिवर्जनम्)

Hepato-healthy Lifestyle

(यकृत्–कल्य आहार–विहारः)

- Low fat diet (रुक्ष–अल्प स्निग्ध आहार)
- Low calorie diet (लंघनम्/ अल्प आहार)
- Pungent, bitter, astringent foods (कटु–तिक्त–कषाय आहार)
- Plenty of spices(दीपन–पाचन–औषध–सिद्ध आहार)
- Plenty of leafy greens (हरित–शाक बहुल आहार)
- Plenty of fresh fruits (नूतन–फल– बहुल आहार)
- Enough water (यथावश्यक जल सेवनम्)
- One year old cereals पुराण अन्नानि)

Powder LC

Ingredients each 3 gm dose contains:

1. पुनर्नवा :–	Boerhaavia diffusa 500 mg
2. भुई आवला :–	Phyllanthus niruri 500 mg
3. आंवला :–	Phyllanthus emblica) 300 mg
4. भृंगराज :–	False Daisy 200 mg
5. हर्रे :–	Terminalia chebula 200 mg
6. मकोय :–	Solanum 200 mg
7- सौंफ :–	Foeniculum vulgare 300 mg
8- लौंग :–	Syzygium aromaticum 100 mg
9. निसोंथ :–	Operculina turpethum 200 mg
10. मिश्री :–	Saccharum officinarum 500 mg

3 gm